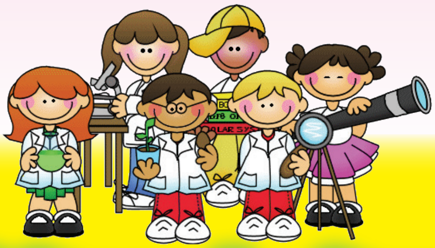

विजेन्द्र कुमार

दिन-प्रतिदिन का वैज्ञानिक इतिहास

1 दिसम्बर

2013, चीन के प्रथम चंद्र रोवर अंतरिक्ष यान 'चांगे 3' को चाइना नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन ने अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया।

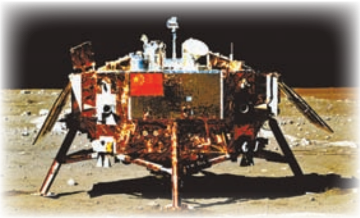

2 दिसम्बर

1877, आविष्कारक लुईस पॉल कैलेटेट ने सर्वप्रथम ऑक्सीजन का द्रवीकरण किया, साथ ही उन्होंने कुछ समय बाद नाइट्रोजन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड व एसिटिलीन का प्रथम बार सफलतापूर्वक द्रवीकरण किया।

1942, विश्व की प्रथम कृत्रिम नाभिकीय श्रृंखला अभिक्रिया का प्रदर्शन एनरिको फर्मी एवं उनकी टीम ने यूनीवर्सिटी ऑफ शिकागो, इलेनॉइस में किया गया।

1993, एस.टी.एस.-61, स्पेस शटल एंडेवर को हबल स्पेस टेलिस्कोप की मरम्मत के उद्देश्य से नासा द्वारा प्रक्षेपित किया गया।

1995, द सोलर एंड हेलिओस्फेरिक ऑब्जर्वेटरी (एस.ओ.एच.ओ.) को लॉकईड मार्टीन एटलस II एस लांच व्हीकल पर सूर्य एवं खोजे गए 3000 धूमकेतुओं के अध्ययन के उद्देश्य से प्रक्षेपित किया।

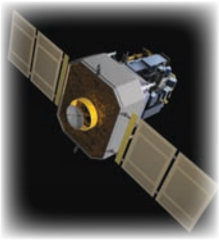

3 दिसम्बर

1910, नियोन लाइटनिंग को फ्रेंच भौतिक विज्ञानी व खोजकर्ता गोर्गेस क्लॉउडे ने विकसित किया।

1984, भारत में भोपाल गैस त्रासदी की दुर्घटना घटित हुई, जो कि विश्व की सबसे बड़ी

औद्योगिक दुर्घटना के रूप में जानी जाती है। यूनियन कार्बाइड पेस्टीसाइड फैक्ट्री, भोपाल में अत्यधिक जहरीली गैस मिथाइल आइसोसाइनाइट रिसाव हो जाने से यह त्रासदी हुई।

4 दिसम्बर

1973, ''पायनियर-10'' अंतरिक्षयान सौरमण्डल के सबसे बड़े गृह बृहस्पति तक पहुँचने वाला प्रथम अंतरिक्षयान बना।

5 दिसम्बर

1969, चार नोड युक्त एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट्स एजेंसी नेटवर्क (अपरानेट) की स्थापना हुई। अपरानेट प्रारंभिक पैकेट स्विचिंग नेटवर्क व प्रोटोकॉल सुइट टीसीपी/आईपी को इम्प्लीमेंट करने के वाला पहला नेटवर्क था।

6 दिसम्बर

1850, नेत्रदर्शक के आविष्कार की घोषणा खोजकर्ता हर्मन वॉन हेल्म्होल्ज ने बर्लिन फिजिकल सोसाइटी के समक्ष घोषणा की।

1995, वैनगार्ड टीवी 3 अंतरिक्ष यान को यूनाइटेड स्टेट्स नवल रिसर्च लैबोरेटरी (एनआरएल) ने कैप कैनवेरल से प्रक्षेपित किया। किसी उपग्रह पर उसके पर्यावरण के प्रभाव एवं पृथ्वी के कक्षक में इसके तंत्र के अध्ययन के उद्देश्य से पृथ्वी की बाह्य कक्षा में उपग्रह प्रक्षेपित किये जाने का यह यूनाइटेड स्टेट्स का प्रथम प्रयास था।

7 दिसम्बर

1909, प्रथम संश्लेषित प्लास्टिक ''थर्मोसेटिंग प्लास्टिक'', जिसे 'बैकेलाइट' भी कहा जाता है, के आविष्कार के लिए लियो बीकेलैंड को पेटेंट प्रदान किया गया (नं. 942699)।

1972, संयुक्त राज्य अमेरिका के अपोलो कार्यक्रम के अंतिम मिशन के लिए 'अपोलो-17' अंतरिक्षयान को प्रक्षेपित किया।

8 दिसम्बर

1993, संयुक्त राष्ट्र के रक्षा सचिव ने ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम (जीपीएस) की घोषणा की। जीपीएस का उपयोग किसी की वस्तुस्थिति का पता लगाने के लिए एक मानक के रूप में सामान्य रूप से उपयोग किया जाता है।

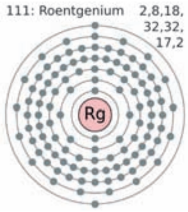

1994, तत्व क्रमांक 111 'रोएन्टेजेनियम' (Rg) का सर्वप्रथम संश्लेषण सिगुअर्ड हॉफमान के नेतृत्व में गठित अंतर्राष्ट्रीय टीम ने किया।

9 दिसम्बर

1968, कम्प्यूटर माउस का प्रथम बार प्रदर्शन डगलस एंजेलबर्ट ने अमेरिकन फेडरेशन ऑफ इन्फॉर्मेशन प्रोसेसिंग सोसाइटीज के समक्ष किया।

1979, चेचक के वैश्विक रूप से उन्मूलन की घोषणा डब्ल्यूएचओ के प्रख्यात वैज्ञानिकों के एक आयोग द्वारा की गई।

10 दिसम्बर

1901, रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज द्वारा नोबल पुरस्कार को सर्वप्रथम पांच विषयों (रसायन विज्ञान, अर्थशास्त्र, साहित्य, शांति,

भौतिक विज्ञान, शरीर क्रिया विज्ञान या चिकित्सा के क्षेत्र) में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया।

11 दिसम्बर

1844, सबसे पहले दन्त संवेदनहारी के रूप में नाइट्रस आॅक्साइड (लाफिंग गैस) को डॉ. जॉन एम् रिग्स ने उपयोग किया।

13 दिसम्बर

1962, प्रथम एक्टिव रिपीटर संचार उपग्रह ‘रिले- I’ को नासा द्वारा कैप कैनवेरल एयर फोर्स स्टेशन से प्रक्षेपित किया।

15 दिसम्बर

1964, मिनी कम्प्यूटर में सबसे पहले प्रयुक्त ‘‘मैग्नेटिक कोर मैमोरी’’ के लिए केनेथ ऑल्सेन को पेटेंट प्रदान किया गया (नं. 3,161,861)।

16 दिसम्बर

1954, सिंथेटिक डायमंड का सर्वप्रथम उत्पादन प्रो. एच. ट्रकी हॉल द्वारा जनरल रिसर्च लैबोरेटरी में किया गया।

1962, उल्काओं के अध्ययन को समर्पित प्रथम सेटेलाइट ‘एक्स्प्लोरर-16’ को नासा द्वारा कैप कैनवेरल से प्रक्षेपित किया।

1985, प्रयोगात्मक फास्ट ब्रीडर रिएक्टर को इंदिरा गाँधी परमाणु अनुसन्धान केंद्र, कलपक्कम ने देश को समर्पित किया।

17 दिसम्बर

1947, दुनिया के पहले स्वेप्ट-विंग स्ट्रेटेजिक बॉम्बर ‘बोइंग बी- 47’ ने अपनी पहली उड़ान भरी।

18 दिसम्बर

1958, विश्व के प्रथम संचार उपग्रह ‘प्रोजेक्ट स्कोर’ (सिंगल कम्यूनिकेशन बाय रिले इक्विपमेंट) को डिफेन्स एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट एजेंसी (दप्रा) ने सफलतापूर्वक कैप केनेवेरल से प्रक्षेपित किया।

1997, वर्ल्ड वाइड वेब कंसोर्टियम (W3C) द्वारा हाइपरटेक्स्ट मार्कअप लैंग्वेज (एच.टी.एम.एल.) के वर्जन 4.0 को रिलीज किया।

19 दिसम्बर

1945, डॉ. होमी जहाँगीर भाभा द्वारा स्थापित टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर) का उद्घाटन सर जॉन कोलविले ने किया।

20 दिसम्बर

1951, एक्सपेरीमेंटल ब्रीडर रिएक्टर-I (EBR-I) दुनिया का पहला बिजली पैदा करने वाला परमाणु बिजली संयंत्र बना।

21 दिसम्बर

1898, तत्व क्रमांक 88 ‘रेडियम’ (Ra) की खोज पियरे क्यूरी व मैरी क्यूरी ने की। अपने अनुसंधान के दौरान उन्होंने ‘रेडियोधर्मिता’ (रेडियोएक्टिविटी) शब्द को गढ़ा।

22 दिसम्बर

1887, भारत के महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन का जन्म हुआ। इन्होंने गणितीय विश्लेषण, संख्या सिद्धांत, अनंत शृंखला के साथ अन्य महत्वपूर्ण गणितीय सिद्धांतों में अपना असाधारण योगदान दिया था।

1924, थॉमस एल्वा एडिसन को फोनोग्राफ कैबिनेट के डिजाइन के लिए पेटेंट प्रदान किया गया (नं. 69068)।

23 दिसम्बर

1672, शनि ग्रह के दूसरे सबसे बड़े उपग्रह ‘रिहा’ की खोज गियोवन्नी कैसिनी ने की।

1947, ट्रांजिस्टर का प्रथम बार प्रदर्शन वाल्टर एच. ब्रातेन एवं जॉन बर्दीन ने बेल लैबोरेट्रीज में किया।

1954, दुनिया का पहला सफल गुर्दा प्रत्यारोपण डॉ. जॉन पी. मेरिल द्वारा पीटर बेंट अस्पताल, बोस्टन में दो जुड़वां रिचर्ड और रोनाल्ड पर किया।

24 दिसम्बर

1894, भारत की प्रथम चिकित्सा संगोष्ठी कलकत्ता में आयोजित की गई। इसका उद्घाटन वायसराय लॉर्ड एल्गिन द्वितीय द्वारा किया गया।

25 दिसम्बर

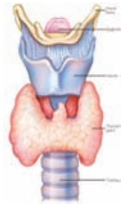

1914, थायरॉइड हॉर्मोन ‘‘थायरॉक्सिन’’ का प्रथम बार क्रिस्टलीकरण एडवर्ड सी. केन्डाल ने किया।

26 दिसम्बर

1933, द्वि-पथिय एफ.एम. रेडियो के आविष्कार के लिए एड्विन आर्मस्ट्रांग को पेटेंट प्रदान किया गया।

30 दिसम्बर

1913, इलेक्ट्रिक लैम्प्स में प्रयुक्त प्रकाशकीय तंतु ‘‘टंगस्टन’’ को बनाने की पद्धति एवं इसके उपयोग के लिए विलियम डी कूलिज को पेटेंट प्रदान किया गया (नं. यूएस 1082933 ए)।

1924, ‘‘एंड्रोमेडा आकाशगंगा’’ (जिसे मेसियर 31, एम 31 या एनजीसी 224 के नाम से भी जाना जाता है) के अस्तित्व को एड्विन हब्बल ने घोषित किया।

31 दिसम्बर

1879, खोजकर्ता थॉमस ए. एडिसन ने अपने आविष्कार वैद्युतीय चमकीली लाइट का प्रथम बार सार्वजनिक रूप से प्रदर्शन किया।

1938, श्वसन परीक्षण द्वारा रक्त में एल्कोहल स्तर का पता लगाने के लिए प्रथम सफल मशीन ‘‘ड्रंकोमीटर’’ का आविष्कार डॉ. रोल्ला एन. हर्गेर ने किया।

संपर्क सूत्र :
श्री विजेन्द्र कुमार
रिसर्च इंटर्न, राष्ट्रीय विज्ञान पुस्तकालय
सीएसआईआर-निस्केयर, 14 सत्संग विहार मार्ग
नई दिल्ली 110 067
[ई-मेल : vijendra.intern@niscair.res.in]